

# ॥ यज्ञमण्डपम् ॥



● षोडशस्तम्भ स्थानानि

■ अंकुरार्पण (जवारा)

# ॥ कुण्ड मण्डपम् ॥

ईशान-अष्टास-आरोग्यप्राप्ति



पूर्व-चतुरस-कार्यसिद्धि



अग्नि-योनि-पुत्रप्राप्ति



उत्तर-षडकुंड-वर्षाकारक



श्रीप्रधानपीठम्

दक्षिण-अर्धचन्द्र-कल्याण



वायव्य-षडस-मारण/उच्छेदन



पश्चिम-वर्तुल-शांतिप्राप्ति



नैऋत्य-त्रिकोण-शत्रुनाश



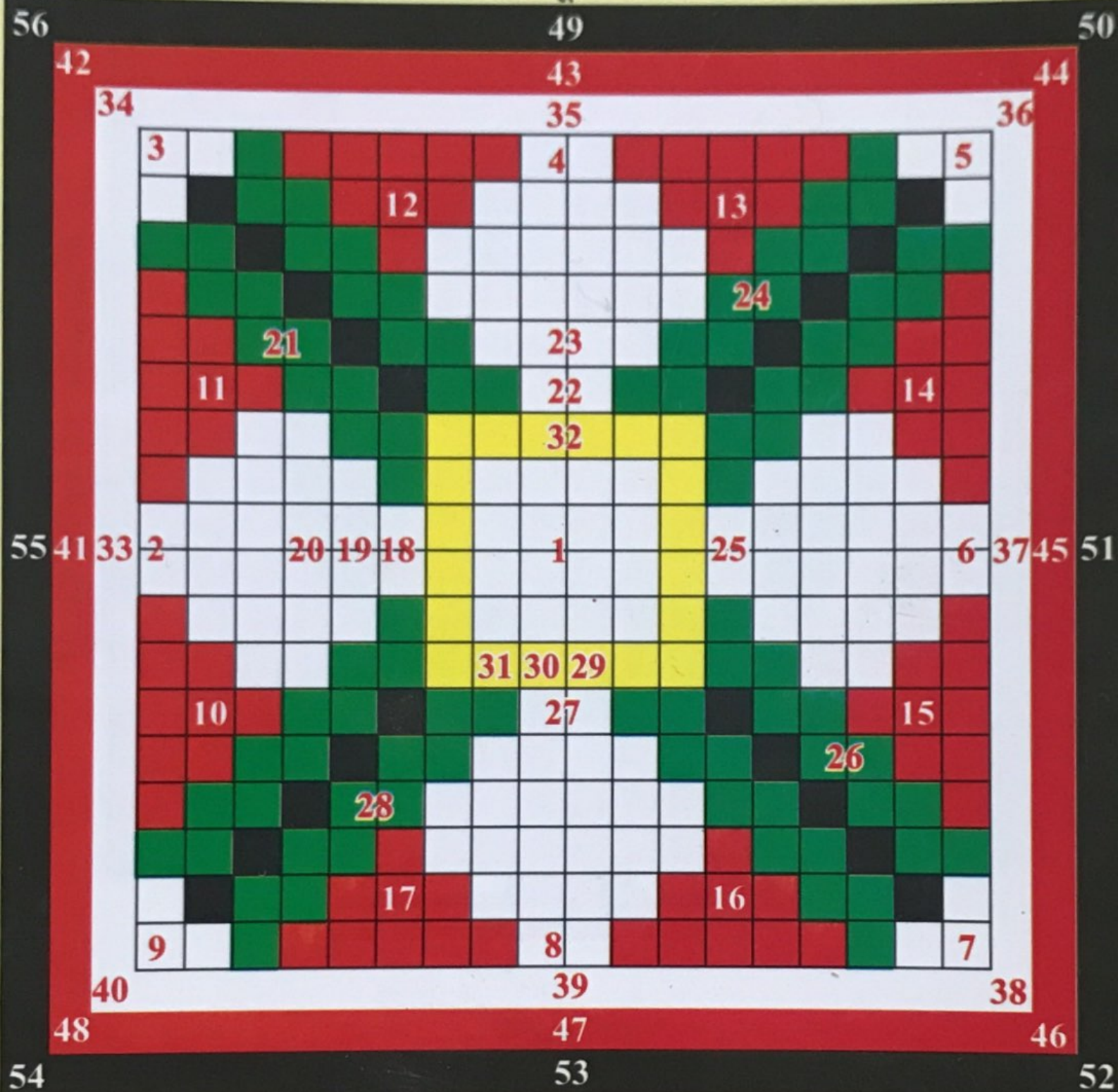
1. षडस और अष्टास कुंड में विषमभुजम् और समभुजम् दोनों मत है । यहां विषमभुजम् कुंड दिये गए हैं ।
2. प्रधानदेवता रुद्र हो तब प्रधानपीठ ईशान में करनी चाहिए । तब आचार्यकुंड मध्य में आएगा ।
3. यह सब प्राथमिक माहिती है । विशेष अभ्यास के लिए ग्रंथों का अध्ययन जरूरी है । धन्यवाद ।

□ ब्रह्मासनम्    ○○ प्रणीता-प्रोक्षणी    ♥ योनि



॥ सर्वतोभद्रमंडलम् ॥

पूर्व





# ॥ मातृका स्थापनम्-१ ॥

(कात्यायन मतेन)

स्वधा  
10

लोकमातृ  
13

मातृ  
12

स्वाहा  
11

देवसेना  
9

कुलदेवी  
17

पद्मा  
3

विजया  
7

जया  
8

धृति  
14

गौरी  
2

सावित्री  
6

गणेश  
1

तुष्टि  
16

मेधा  
5

शची  
4

पुष्टि  
15

## ॥ वसोर्धारा ॥



स०

7



प्र०

6



स्वा०

5



मे०

4



धृ०

3



ल०

2

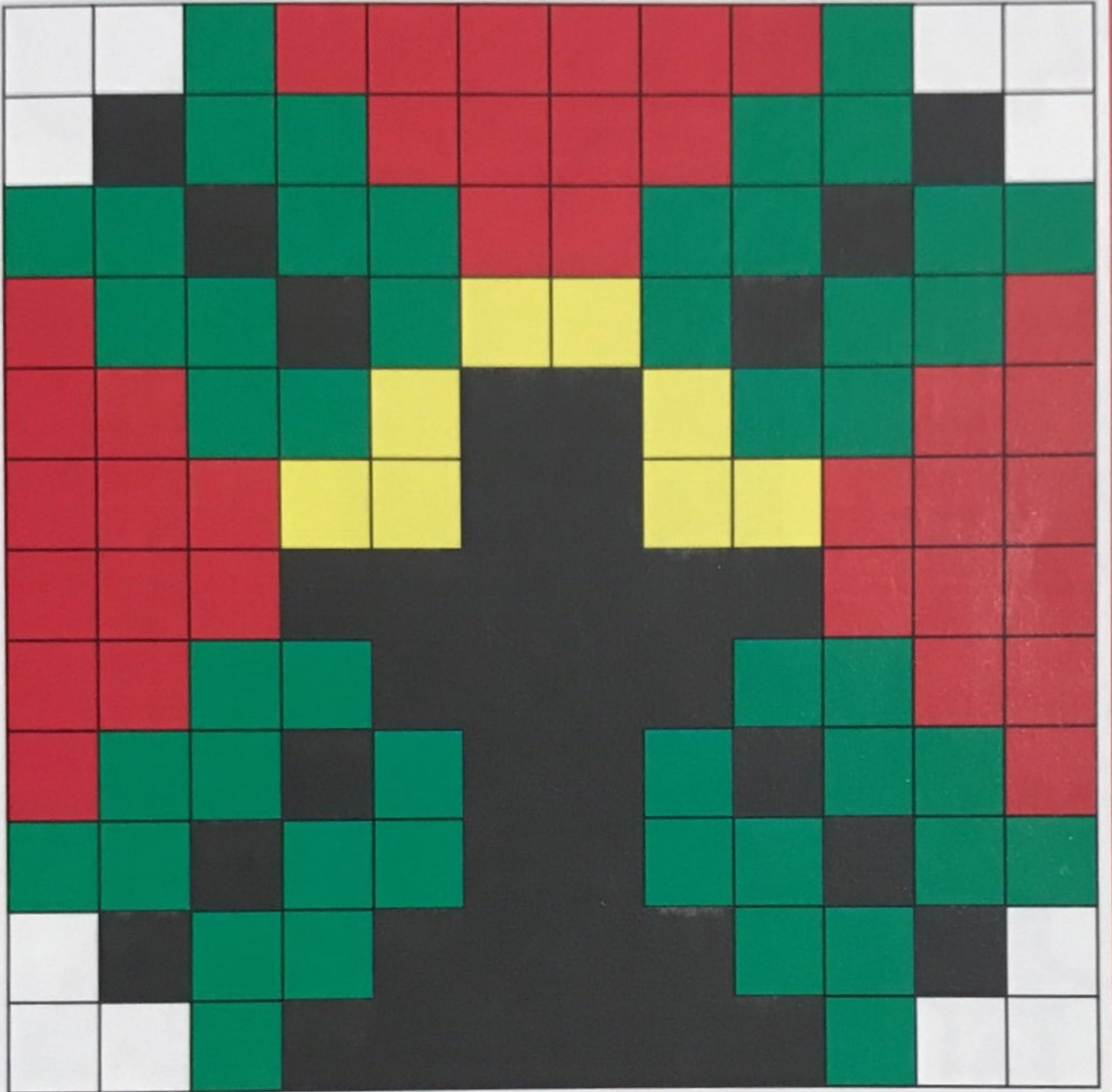


श्री०

1



॥ एकलिंगतो भद्रमंडलम् ॥

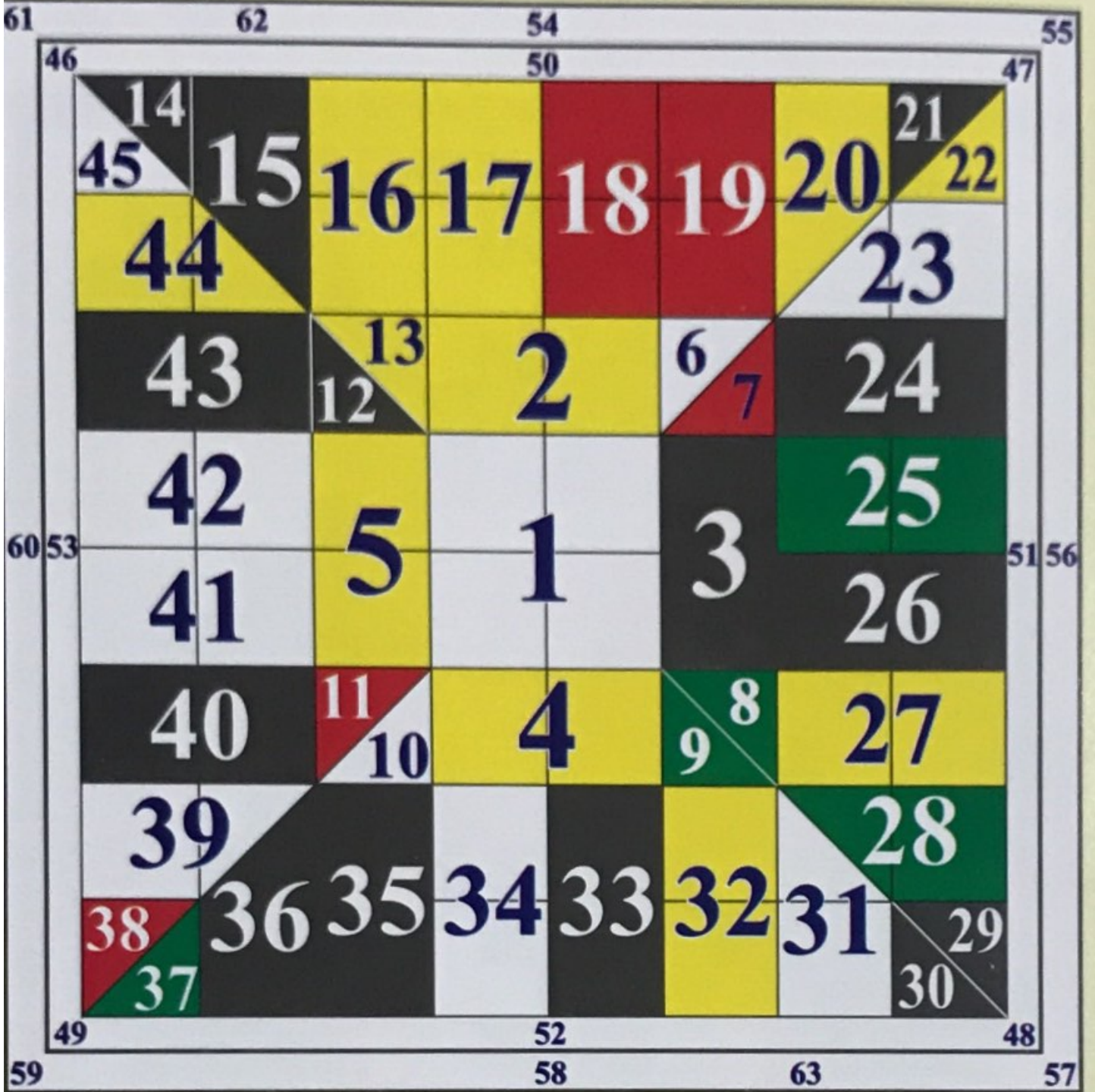


# ॥ चतुर्लिंगतो भद्रमंडलम् ॥





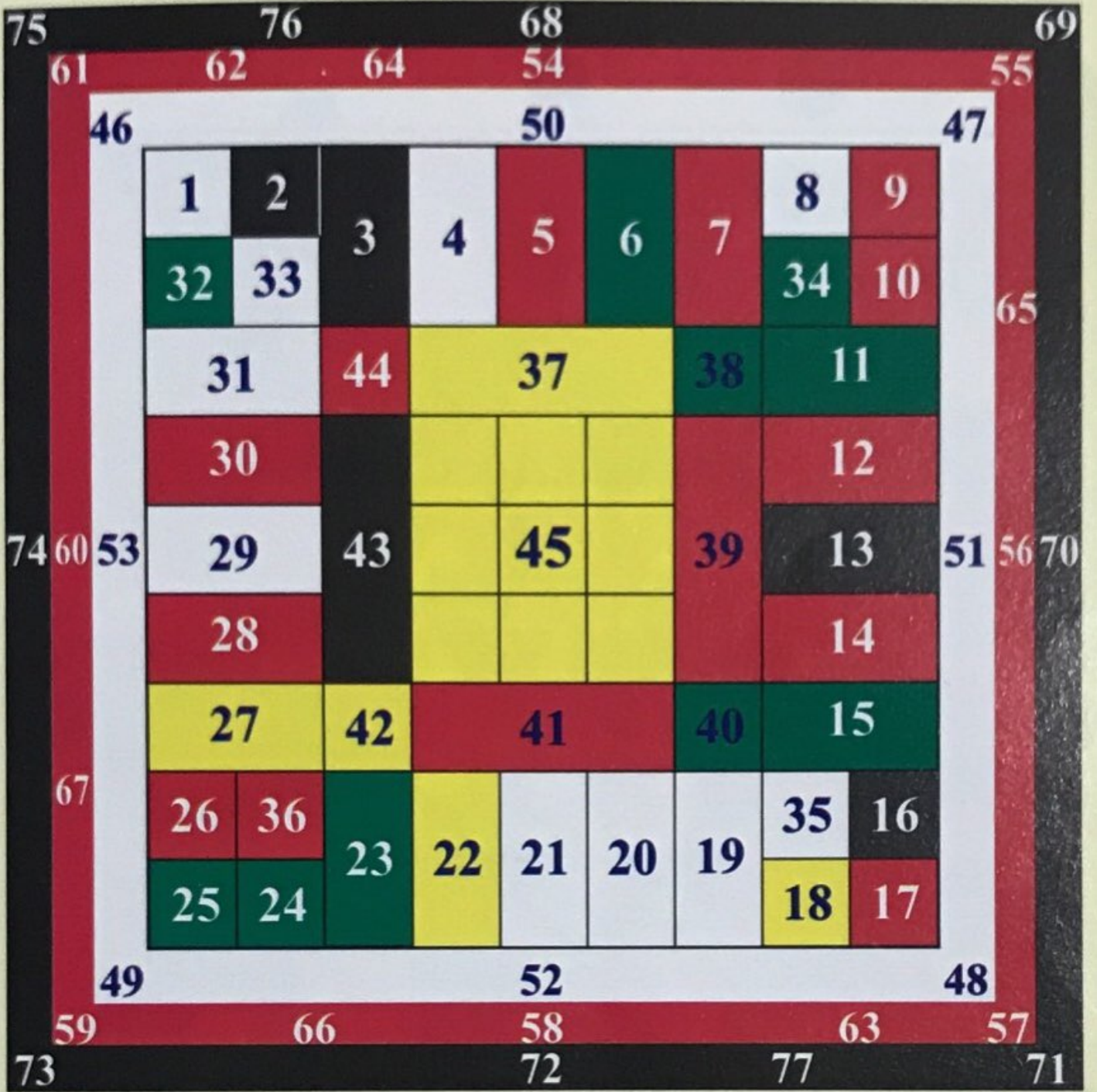
॥ मंडप/प्रासाद वास्तु स्थापनम् ॥  
(64 पद, 9 रेखा)





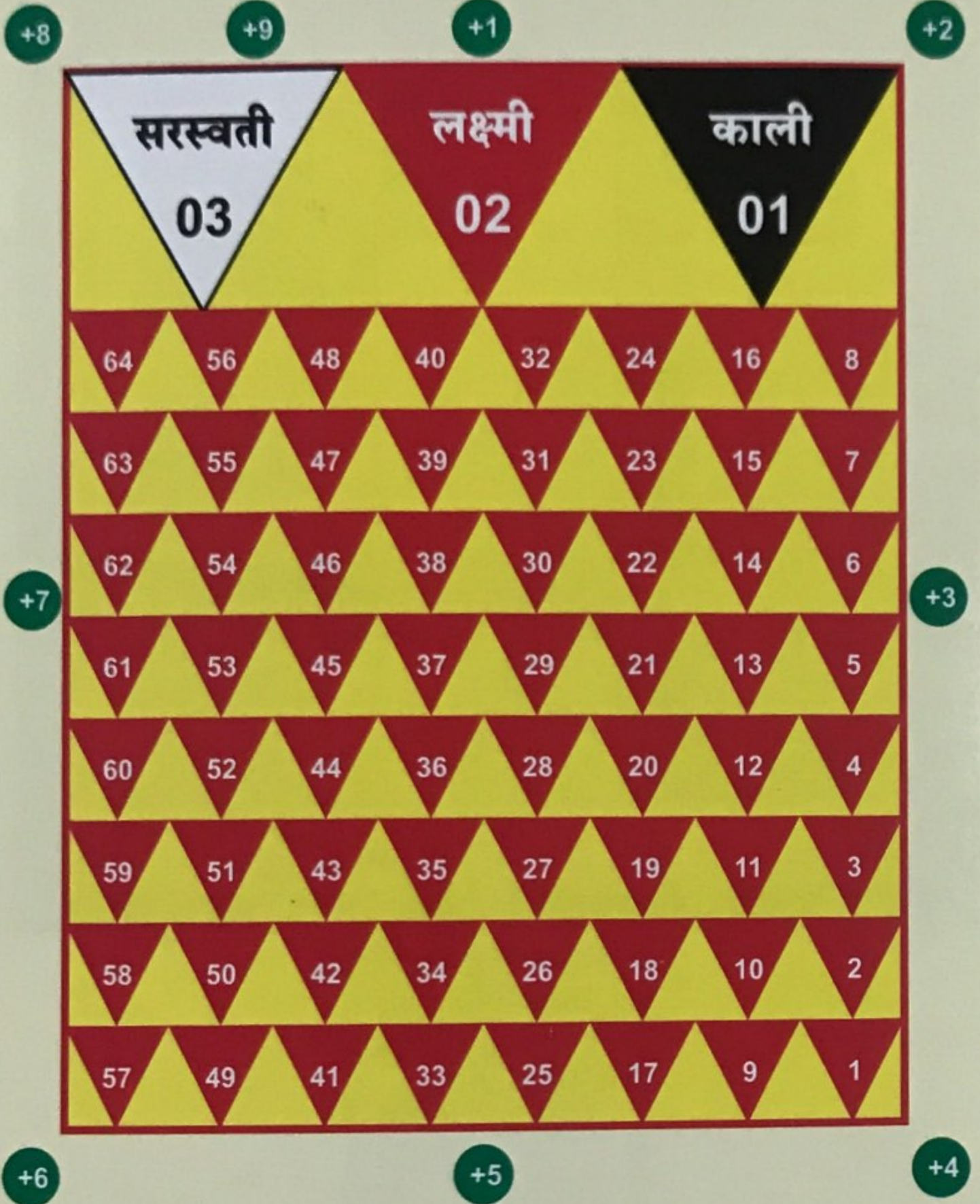
# ॥ गृहवास्तु स्थापनम् ॥

(81 पद, 10 रेखा)



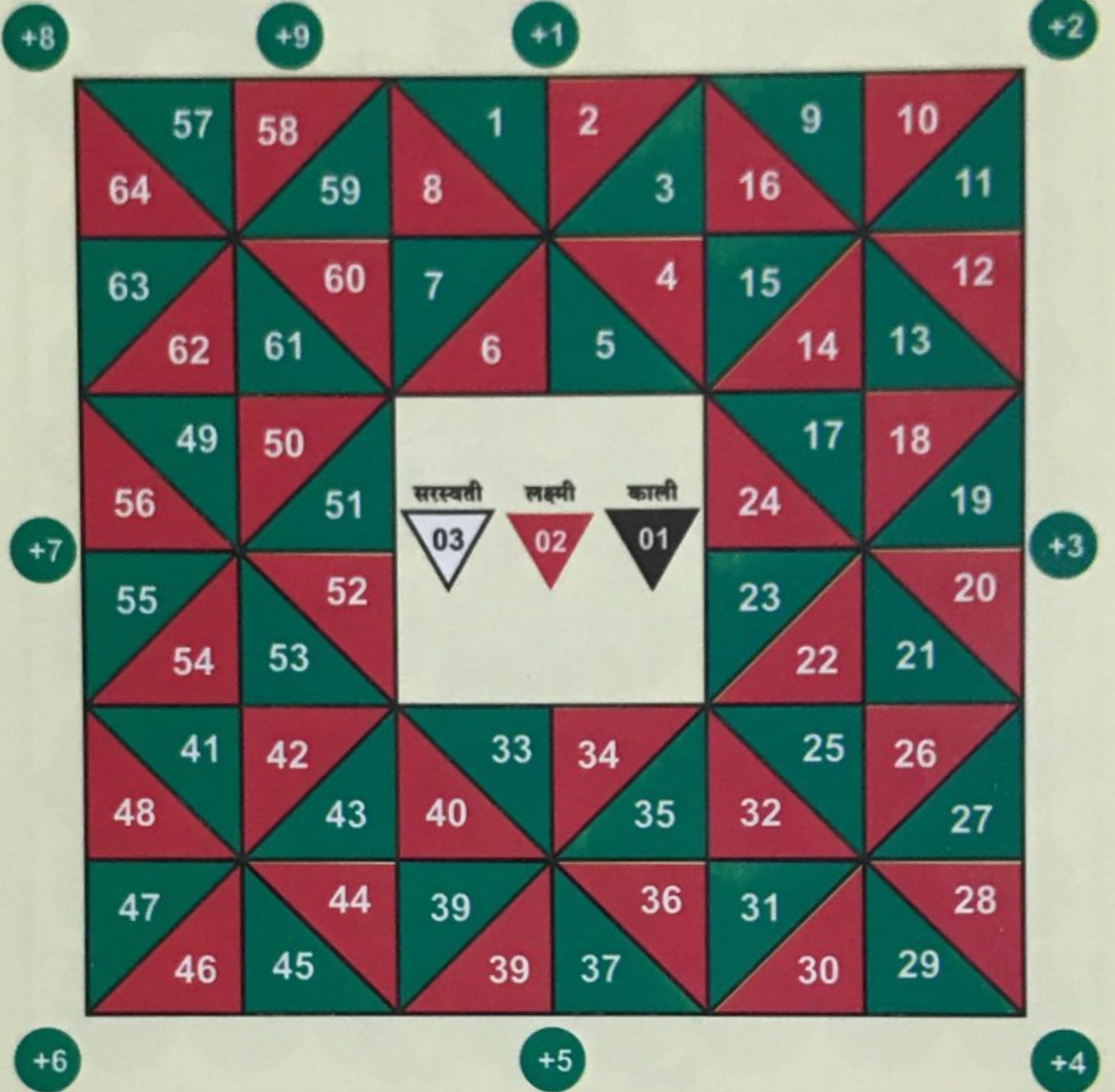


# ॥ योगिनी स्थापनम् - १ ॥





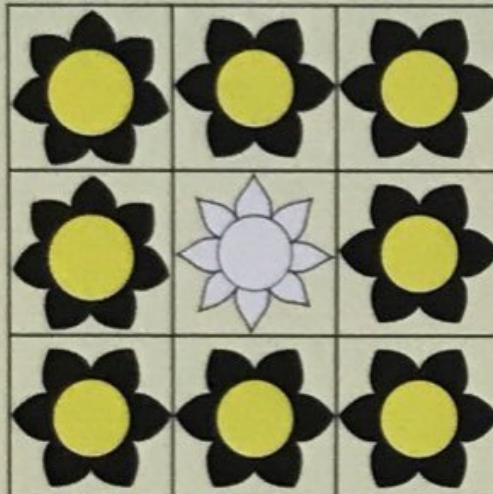
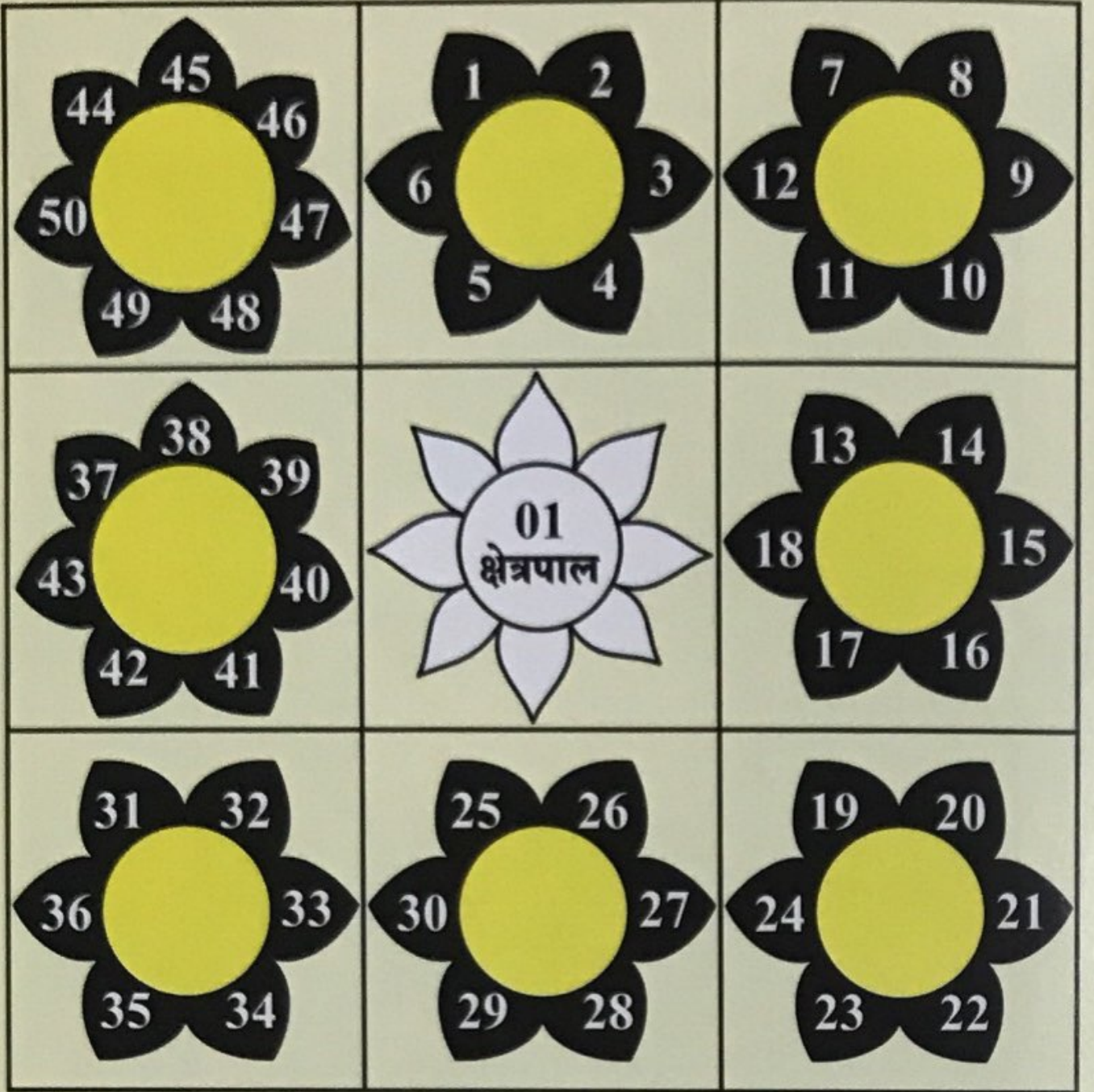
# ॥ योगिनी स्थापनम् - 2 ॥





# ॥ क्षेत्रपाल स्थापनम् ॥

(अजरादि)





# ॥ भैरव स्थापनम् ॥

(श्रीमदादि)

64	56	48	40	32	24	16	8
63	55	47	39	31	23	15	7
62	54	46	38	30	22	14	6
61	53	45	37	29	21	13	5
60	52	44	36	28	20	12	4
59	51	43	35	27	19	11	3
58	50	42	34	26	18	10	2
57	49	41	33	25	17	9	1

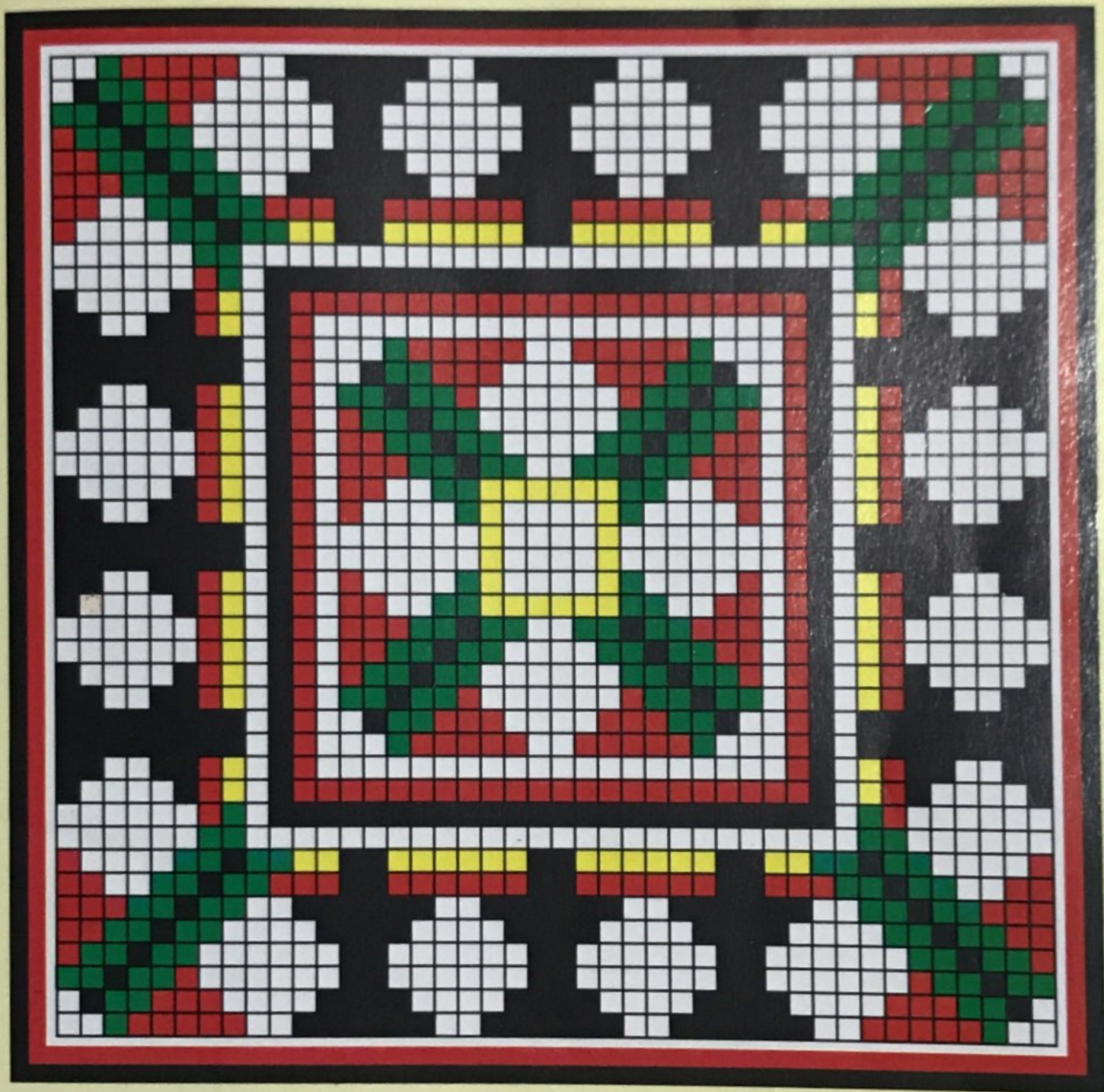


॥ अष्टलिंगतो भद्रमंडलम् ॥





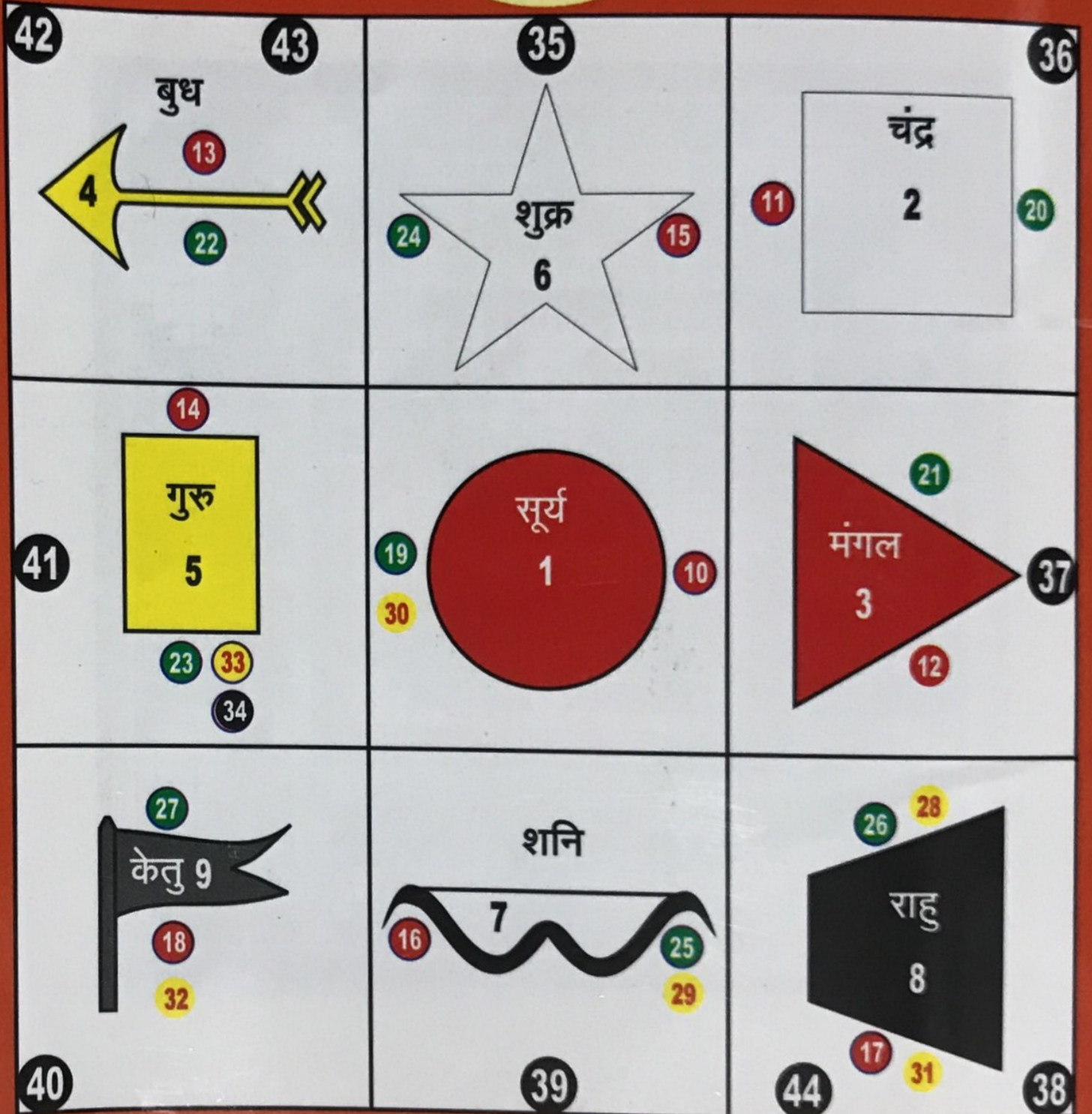
॥ द्वादशलिंगतो भद्रमंडलम् ॥





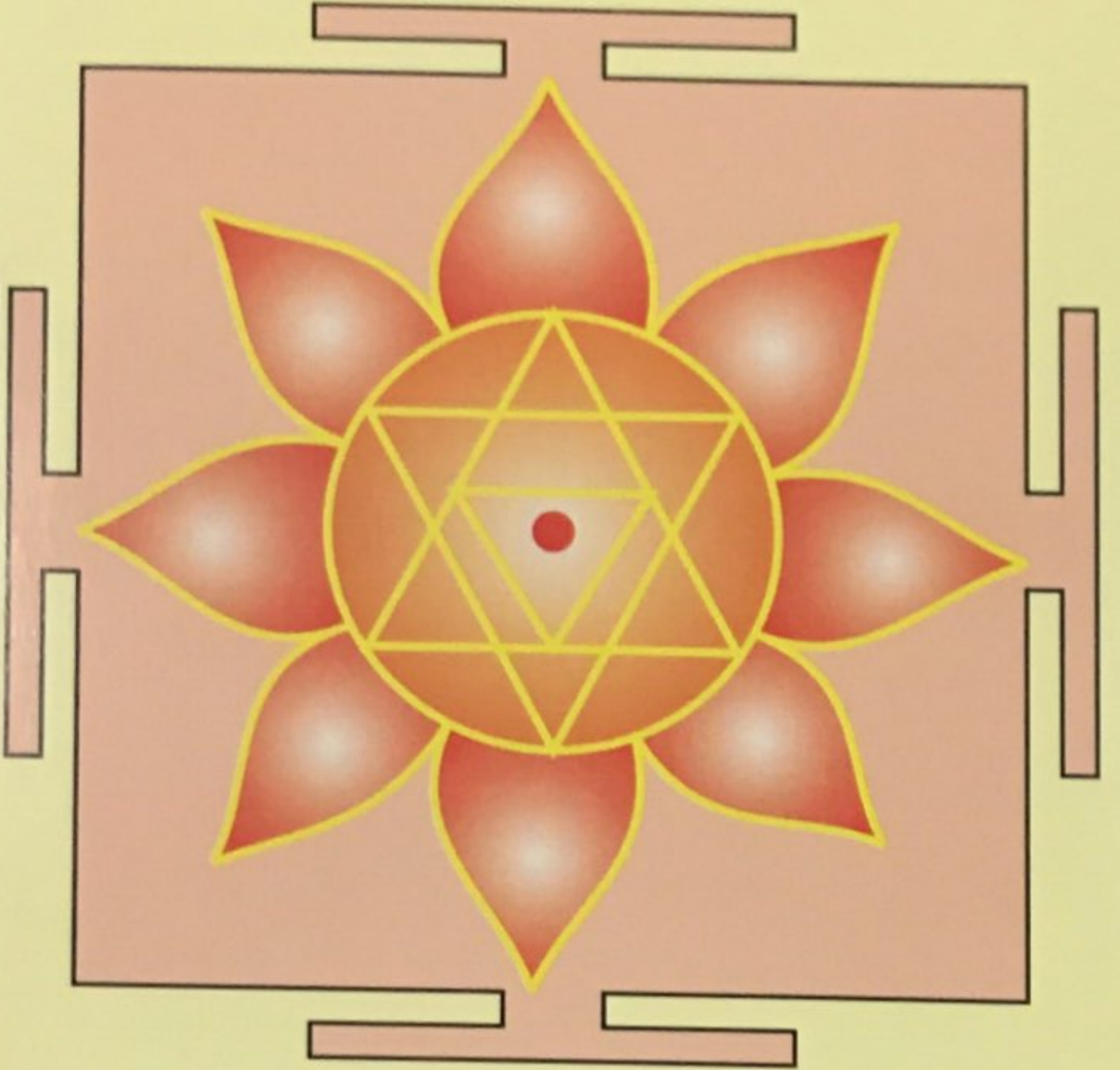
# ॥ ग्रहमंडलम् ॥

पूर्व





॥ गणेश यंत्रम् ॥

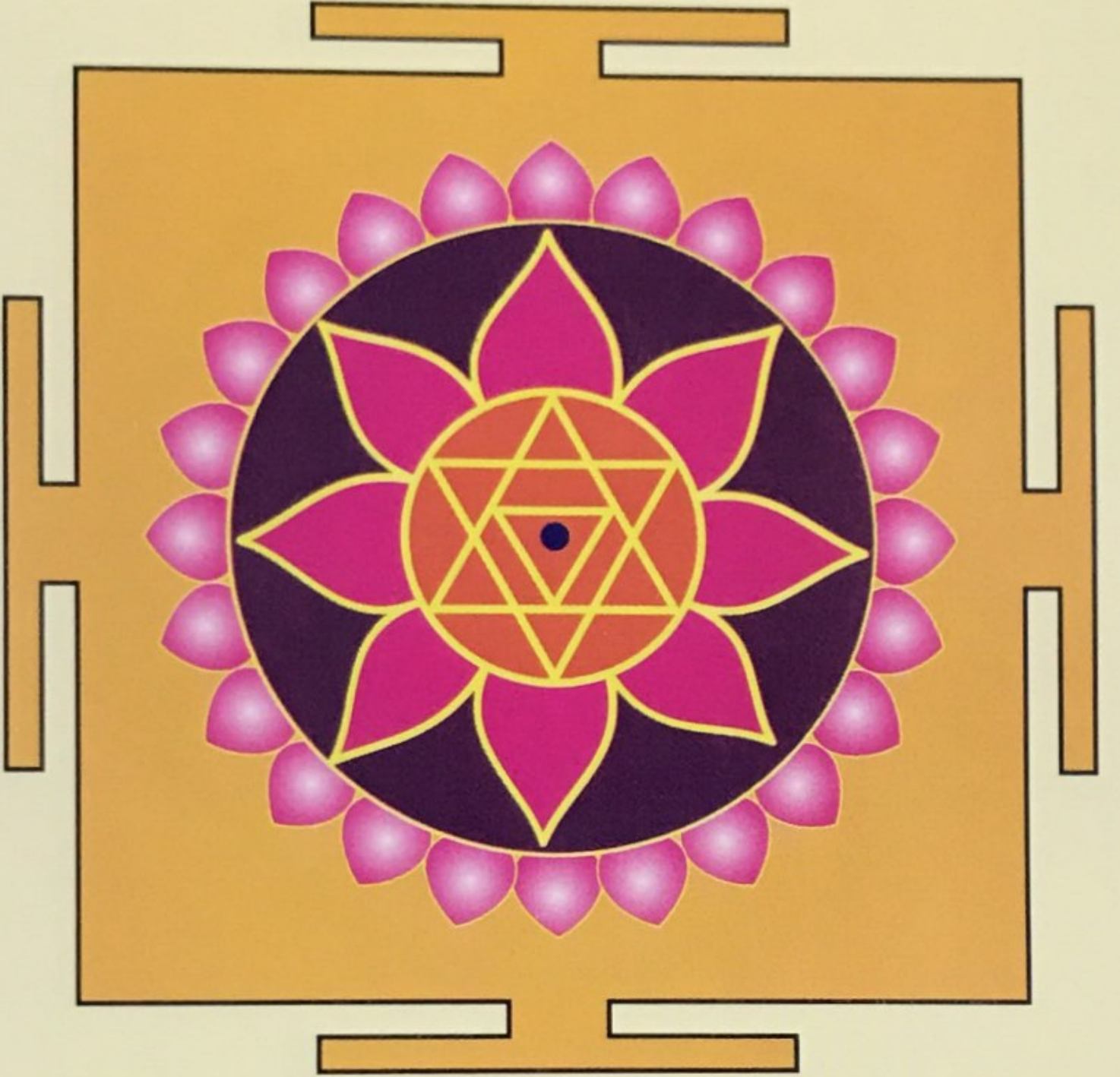


यंत्र प्रकार :

बिंदु, त्रिकोण, षट्कोण, वृत्त, अष्टपत्र, भूपुर



॥ देवी यंत्रम् ॥

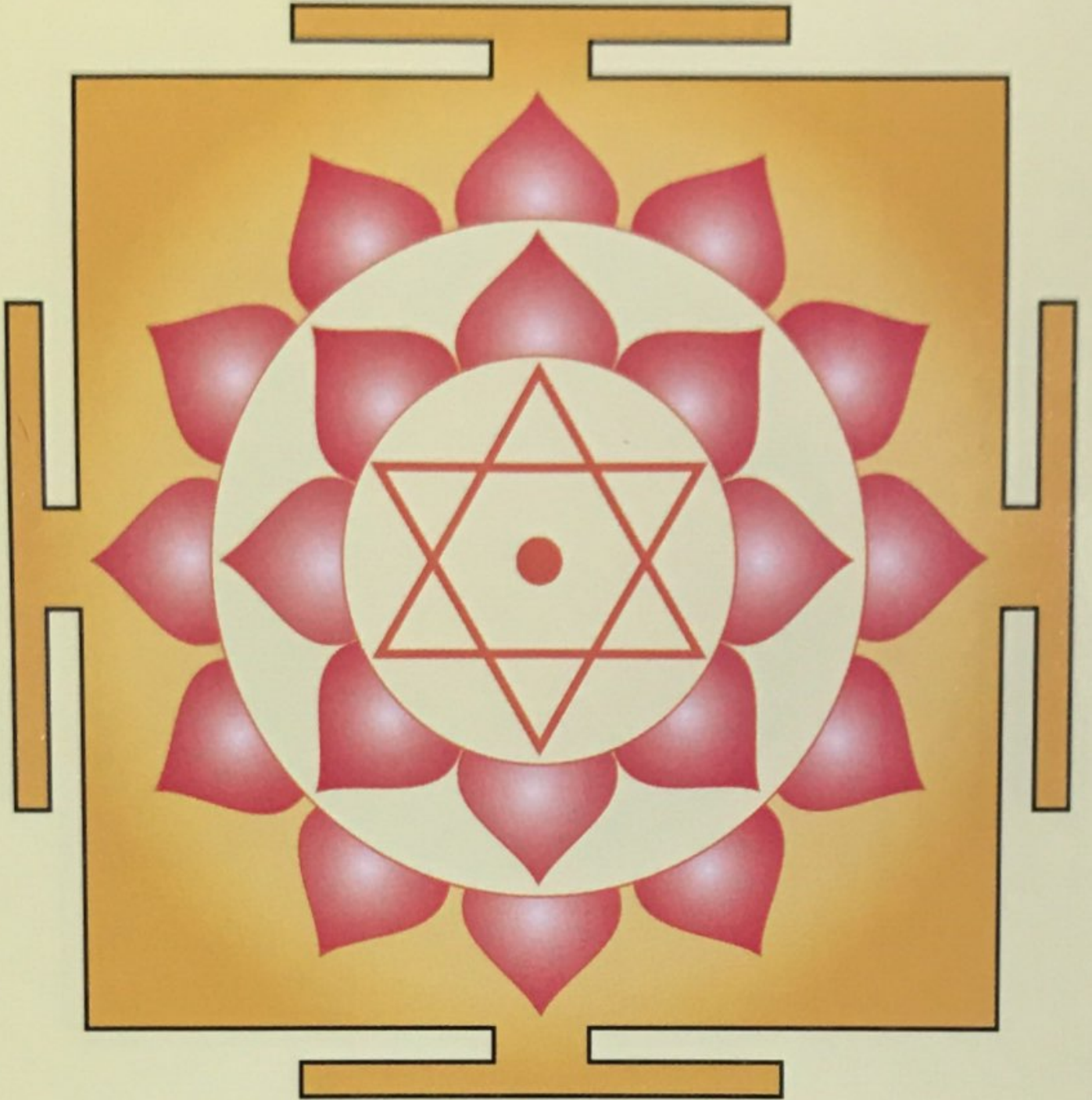


यंत्र प्रकार :

बिंदु, त्रिकोण, षट्कोण, अष्टदल, चतुर्विंशतिदल, भूपुर



॥ सूर्य यंत्रम् ॥

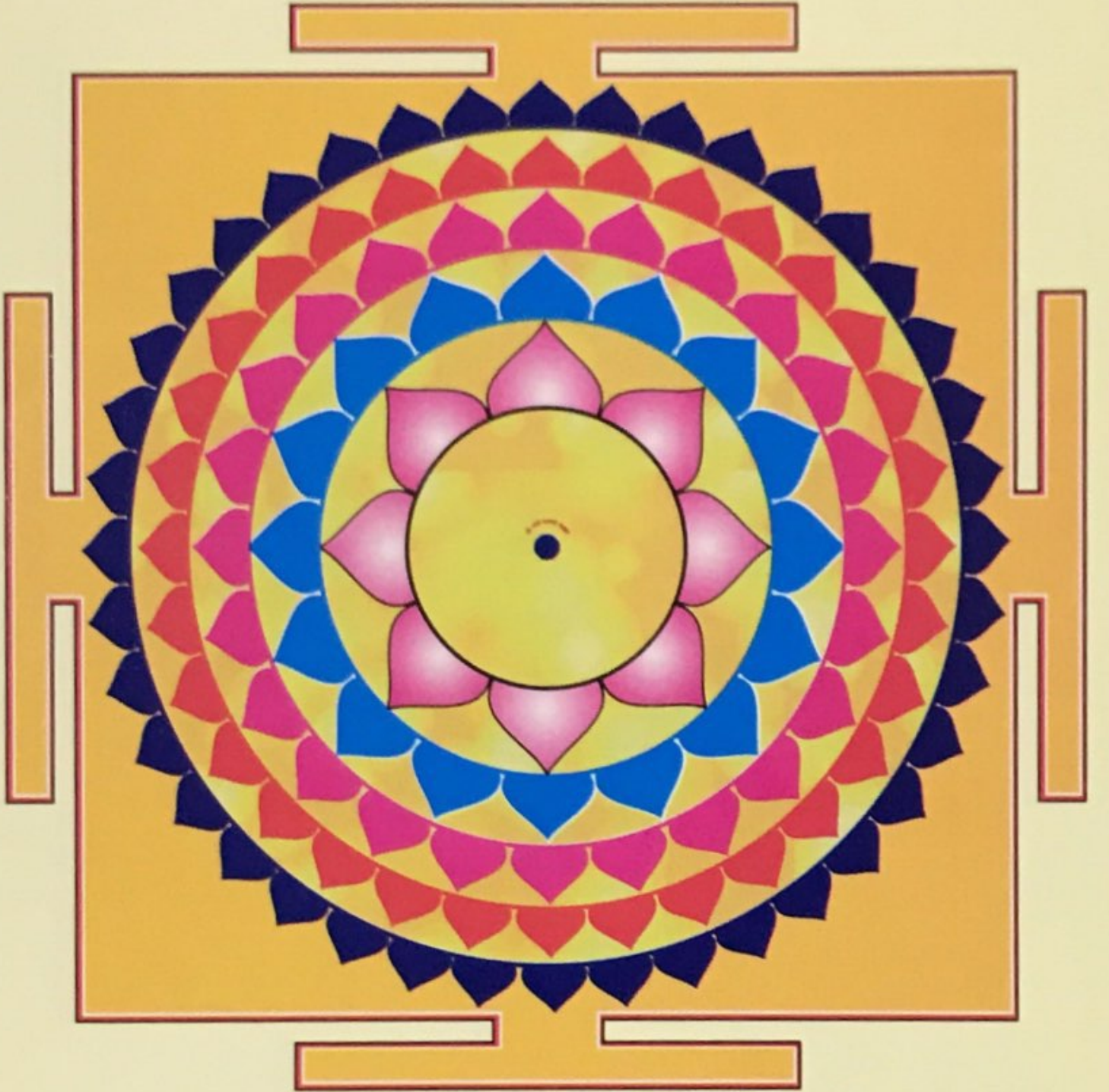


यंत्र प्रकार :

बिंदु, षड्दल, वृत्त, अष्टदल, वृत्त, द्वादशदल, भूपुर



॥ रुद्र यंत्रम् ॥

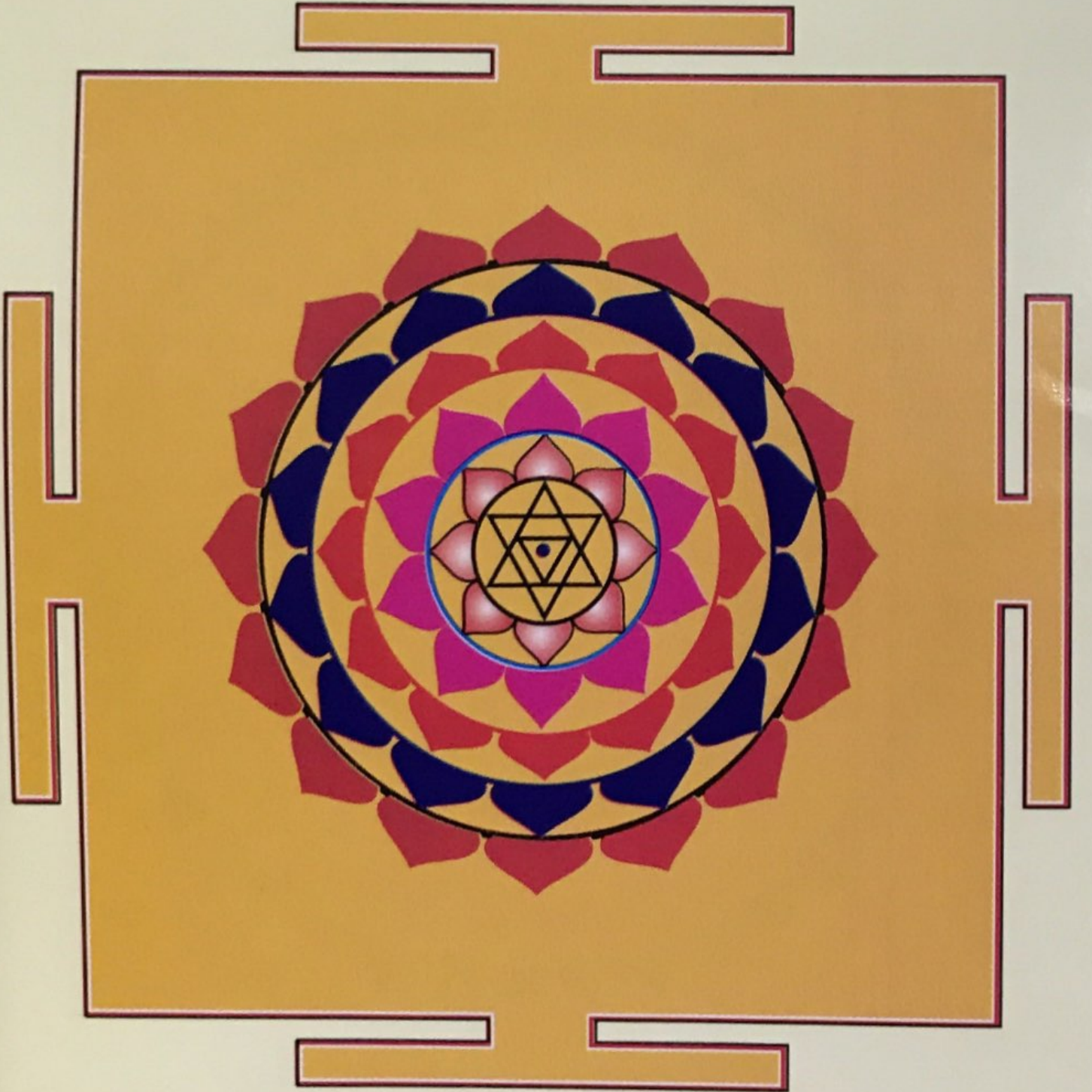


यंत्र प्रकार :

वृत्त, अष्टदल, षोडशपत्र, चतुर्विंशतिपत्र,  
द्वात्रिंशत्पत्र, चत्वारिंशत्पत्र, भूपुरत्रय



॥ विष्णु यंत्रम् ॥



यंत्र प्रकार :

बिंदु, त्रिकोण, षट्कोण, अष्टदल, दशदल, द्वादशदल,  
चतुर्दशदल, षोडशदल, भूपुरत्रय

## ॥ देवी-पात्रासादनम् ॥ (यंत्र प्रकार)

॥ कलशः ॥



॥ सामान्यार्घः ॥



॥ विशेषार्घः ॥



॥ पाद्यपात्रम् ॥



॥ घृतदीपम् ॥



॥ तैलदीपम् ॥



॥ अर्घ्यपात्रम् ॥



॥ आचमनीयपात्रम् ॥



॥ मधुपर्कः ॥



॥ प्रोक्षणीपात्रम् ॥

